याद इन्हें भी कर लो

आज़ादी का अमृत महोत्सव

23 जनवरी 2022, प्रातः 10 से 11 बजे

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश

क्र 610/2022 दिनांकः 05/01/2022

प्रति,

श्रीमान व्यवस्थापक/प्राचार्य/प्रधानाचार्य,
समस्त सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर
मध्यभारत प्रांत।

विषयः स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में सूर्य नमस्कार का आयोजन।

आदरणीय बन्धु/भगिनी,

सादर नमस्कार।

देश की स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पंतजलि योगपीठ, क्रीड़ा भारती व अन्य संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार करने का संकल्प लिया गया है। इस सन्दर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी अपने विविध संगठनों (विशेषरूप से विद्या भारती) से इस महायज्ञ में पूर्ण सहभागिता का आग्रह किया है। अतः हमारे विद्यालयों के कक्षा चतुर्थी से द्वादशी तक के समस्त छात्र-छात्राएँ, आचार्य परिवार, समिति सदस्य, अभिभावकों एवं पूर्व छात्रों सहित समाज के अन्य लोग भी इस महायज्ञ में अपनी आहुति प्रदान करें, ऐसी अपेक्षा है।

इस यज्ञ के निमित्त अपने विद्यालय के आचार्य तथा भैया-बहिनें पूर्व से ही सूर्य नमस्कार लगाने का अभ्यास कर अपनी स्थितियाँ सुधारें फिर इस यज्ञ में सूर्य नमस्कार रूपी आहुति समर्पित करें। इस कार्यक्रम हेतु अन्य विद्यालयों से सम्पर्क कर उन्हें भी इस यज्ञ में आहुति समर्पित करने के लिये प्रेरित करना अपेक्षित है।

अपने प्रान्त में सूर्य नमस्कार यज्ञ आगामी मकर संक्रांति 15 जनवरी, 2022 से 21 जनवरी 2022 तक आयोजित किया जाना है। सात दिनों तक निरन्तर चलने वाले इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने वालों की संख्या, कुल लगाये गए सूर्य नमस्कारों की संख्या का पूरे सप्ताह (सात दिनों) का वृत्त संकलन कर अपने प्रान्त की ई-मेल vidyabhartibpl@gmail.com के माध्यम से जिलाशः निर्धारित प्रारूप में भरकर **दिनांक 23 जनवरी 2022** तक भेजकर सहयोग प्रदान करें।

संलग्नः प्रारूप

भवदीय

शिरोमणि दुबे
प्रादेशिक सचिव, विद्याभारती
मध्यभारत प्रान्त

प्रतिलिपिः-

1. श्रीमान अध्यक्ष/ संगठन मंत्री/ सहसंगठन मंत्री मध्यभारत प्रान्त।
2. श्रीमान प्रान्त प्रमुख / समस्त विभाग समन्वयक मध्यभारत प्रान्त।

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान ''प्रज्ञादीप'' हर्षवर्धन नगर, भोपाल

अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सूर्य नमस्कार आयोजन का वृत्त

जिले का नाम ———————————————————

क्र.	विद्यालय का नाम	भैया–बहिनों की संख्या	आचार्यों की संख्या	अभिभावकों की संख्या	समिति सदस्य संख्या	पूर्व छात्र संख्या	अन्य	कुल संख्या	लगाये गये सूर्य नमस्कारों की कुल संख्या
1									
2									
3									
4									
5									
6									
7									
8									
9									
10									
11									
12									
13									
14									
15									
16									
17									
18									
19									
20									
	योग								